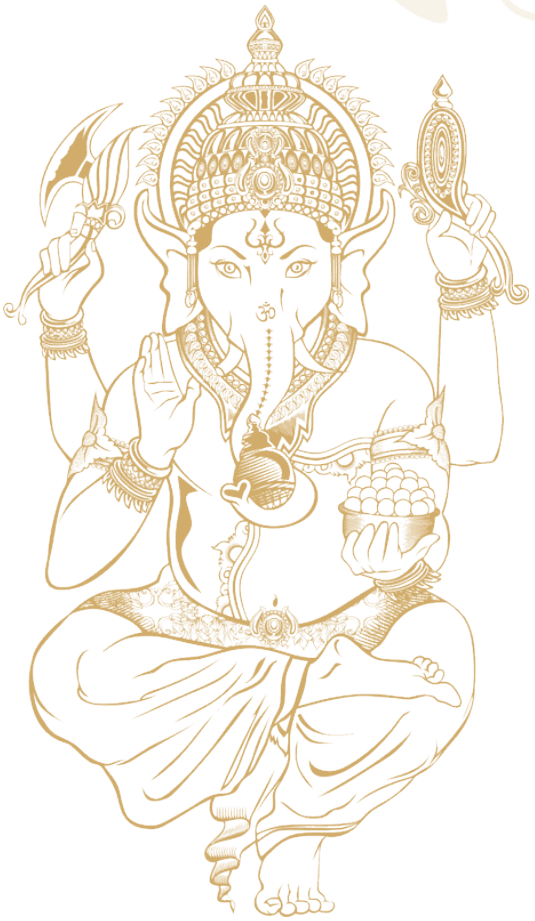

Sanbi Kumari

28 Jan 2021

11:35 PM

Gaya

Model: web-freekundliweb

Order No: 121330902

लिंग	स्त्रीलिंग
जन्म तिथि	**28/01/2021**
दिन	गुरुवार
जन्म समय	**23:35:00 घंटे**
इष्ट	42:32:10 घटी
स्थान	**Gaya**
राज्य	Bihar
देश	India

अक्षांश	24:48:00 उत्तर
रेखांश	85:00:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	00:10:00 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	23:45:00 घंटे
वेलान्तर	-00:12:57 घंटे
साम्पातिक काल	08:17:54 घंटे
सूर्योदय	06:34:07 घंटे
सूर्यास्त	17:32:05 घंटे
दिनमान	10:57:58 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	शिशिर
सूर्य के अंश	14:53:41 मकर
लग्न के अंश	06:53:59 तुला

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	तुला - शुक्र
राशि-स्वामी	**कर्क - चन्द्र**
नक्षत्र-चरण	**पुष्य - 4**
नक्षत्र स्वामी	शनि
योग	आयुष्मान
करण	बव
गण	देव
योनि	मेष
नाड़ी	मध्य
वर्ण	विप्र
वश्य	जलचर
वर्ग	श्वान
युँजा	मध्य
हंसक	जल
जन्म नामाक्षर	डा-डाली
पाया(राशि-नक्षत्र)	ताम्र - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	कुम्भ

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			तुला	06:53:59	320:22:35	स्वाति	1	15	शुक्र	राहु	राहु	---
सूर्य			मक	14:53:41	01:00:56	श्रवण	2	22	शनि	चंद्र	गुरु	शत्रु राशि
चंद्र			कर्क	14:16:55	13:25:15	पुष्य	4	8	चंद्र	शनि	राहु	स्वराशि
मंगल			मेष	16:40:43	00:31:38	भरणी	2	2	मंगल	शुक्र	चंद्र	स्वराशि
बुध			कुंभ	02:00:36	00:20:44	धनिष्ठा	3	23	शनि	मंगल	केतु	सम राशि
गुरु		अ	मक	15:08:26	00:14:14	श्रवण	2	22	शनि	चंद्र	गुरु	नीच राशि
शुक्र			मक	01:02:56	01:15:11	उत्तराषाढ़ा	2	21	शनि	सूर्य	राहु	मित्र राशि
शनि		अ	मक	10:44:35	00:07:08	श्रवण	1	22	शनि	चंद्र	चंद्र	स्वराशि
राहु	व		वृष	24:44:49	00:07:52	मृगशिरा	1	5	शुक्र	मंगल	राहु	मित्र राशि
केतु	व		वृश्चि	24:44:49	00:07:52	ज्येष्ठा	3	18	मंगल	बुध	राहु	मित्र राशि
हर्ष			मेष	12:39:54	00:00:45	अश्विनी	4	1	मंगल	केतु	बुध	---
नेप			कुंभ	25:01:12	00:01:50	पू०भाद्रपद	2	25	शनि	गुरु	बुध	---
प्लूटो			मक	00:57:30	00:01:57	उत्तराषाढ़ा	2	21	शनि	सूर्य	राहु	---
दशम भाव			कर्क	08:03:29	--	पुष्य	--	8	चंद्र	शनि	केतु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:08:50

लग्न-चलित

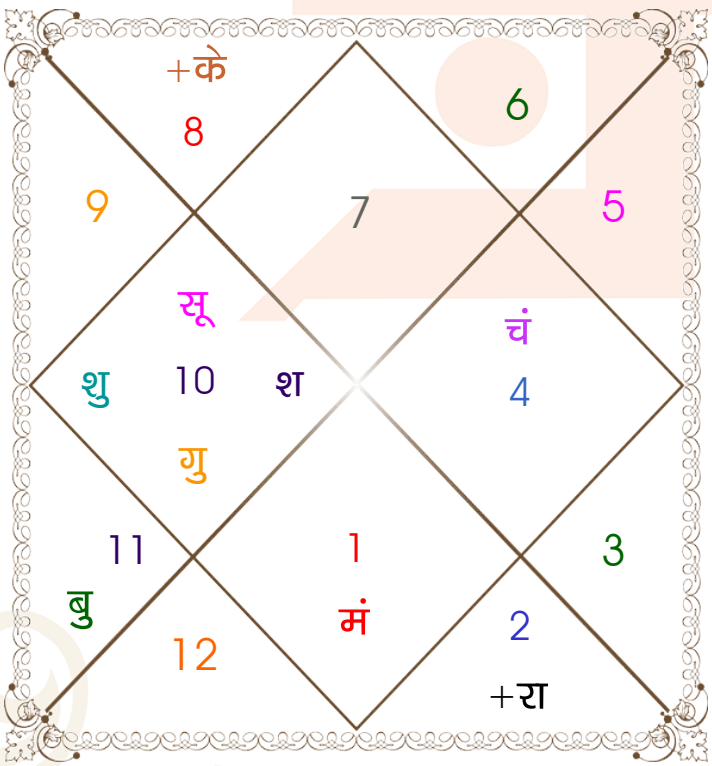

चन्द्र कुंडली

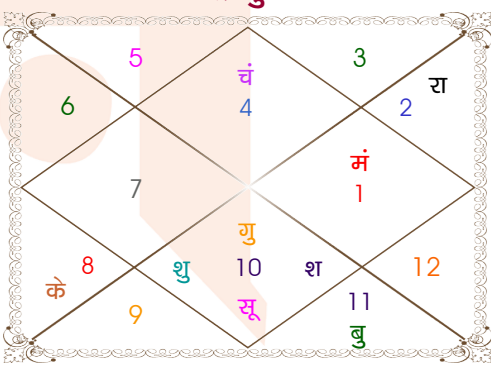

नवमांश कुंडली

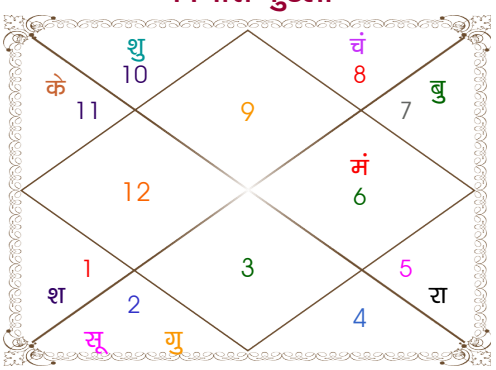

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : शनि 3 वर्ष 4 मास 23 दिन

शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष	
28/01/2021		23/06/2024		23/06/2041		23/06/2048		23/06/2068	
23/06/2024		23/06/2041		23/06/2048		23/06/2068		23/06/2074	
	00/00/0000	बुध	19/11/2026	केतु	19/11/2041	शुक्र	23/10/2051	सूर्य	10/10/2068
	00/00/0000	केतु	17/11/2027	शुक्र	19/01/2043	सूर्य	22/10/2052	चंद्र	11/04/2069
	00/00/0000	शुक्र	16/09/2030	सूर्य	27/05/2043	चंद्र	23/06/2054	मंगल	17/08/2069
	00/00/0000	सूर्य	24/07/2031	चंद्र	26/12/2043	मंगल	23/08/2055	राहु	11/07/2070
	00/00/0000	चंद्र	22/12/2032	मंगल	23/05/2044	राहु	23/08/2058	गुरु	30/04/2071
	00/00/0000	मंगल	19/12/2033	राहु	11/06/2045	गुरु	23/04/2061	शनि	11/04/2072
	28/01/2021	राहु	08/07/2036	गुरु	18/05/2046	शनि	23/06/2064	बुध	15/02/2073
राहु	10/12/2021	गुरु	14/10/2038	शनि	26/06/2047	बुध	24/04/2067	केतु	23/06/2073
गुरु	23/06/2024	शनि	23/06/2041	बुध	23/06/2048	केतु	23/06/2068	शुक्र	23/06/2074

चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष	
23/06/2074		23/06/2084		23/06/2091		24/06/2109		24/06/2125	
23/06/2084		23/06/2091		24/06/2109		24/06/2125		00/00/0000	
चंद्र	24/04/2075	मंगल	19/11/2084	राहु	06/03/2094	गुरु	12/08/2111	शनि	27/06/2128
मंगल	23/11/2075	राहु	07/12/2085	गुरु	29/07/2096	शनि	22/02/2114	बुध	07/03/2131
राहु	23/05/2077	गुरु	13/11/2086	शनि	05/06/2099	बुध	30/05/2116	केतु	15/04/2132
गुरु	22/09/2078	शनि	23/12/2087	बुध	24/12/2101	केतु	06/05/2117	शुक्र	15/06/2135
शनि	23/04/2080	बुध	19/12/2088	केतु	11/01/2103	शुक्र	05/01/2120	सूर्य	27/05/2136
बुध	22/09/2081	केतु	17/05/2089	शुक्र	11/01/2106	सूर्य	23/10/2120	चंद्र	27/12/2137
केतु	23/04/2082	शुक्र	18/07/2090	सूर्य	06/12/2106	चंद्र	22/02/2122	मंगल	04/02/2139
शुक्र	23/12/2083	सूर्य	22/11/2090	चंद्र	05/06/2108	मंगल	29/01/2123	राहु	29/01/2141
सूर्य	23/06/2084	चंद्र	23/06/2091	मंगल	24/06/2109	राहु	24/06/2125		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल शनि 3 वर्ष 4 मा 12 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म स्वाती नक्षत्र के प्रथम चरण में हुआ था। आपके जन्मकाल मेदिनीय क्षितिज पर तुला लग्न के साथ-साथ धनु राशि का नवमांश एवं तुला राशि का द्रेष्काण भी उदित हुआ था। आपका यह जन्मकालिक प्रभाव यह निर्दिष्ट करता है कि सामान्यतया आपका जन्म प्रभाव का प्रवेश काल अति उत्तम फलदायी मुख्यतः आपकी आयु के 30 वें वर्ष से 35 वर्ष के समय में प्रमाणित होगा।

बल्कि आप मृदु स्वभाव की उत्तम प्राणी हैं। आपमें ऐसी क्षमता विद्यमान है कि आप अपने धैर्य को नियंत्रित रखती हैं। आपका वास्तविक मूल्यांकन अन्य व्यक्ति करते हैं। आप किसी भी वस्तु का सही महत्त्व एवं मूल्यांकन कर सकती हैं। आप अपने व्यवसाय में सफल हो सकती हैं। इसलिए यदि आपकी अभिलाषा हो, तो आप पुजारी होकर, उच्च स्तरीय धार्मिक उपदेशक बनकर उच्च कोटि की श्रद्धावान हो सकती हैं। आप सदैव धार्मिक और परोपकारी संस्थाओं को दान-प्रदान करने के लिए उत्सुक रहेंगी। आपके लिए व्यवसायों में उत्तम व्यवसाय ऑटो मोबाइल्स, ट्रांसपोर्ट का कार्य, पर्यटन अथवा फैन्सी वस्तुओं का धन्धा अच्छा होगा।

यदि आप अपने अनुकूल सेवा (नौकरी) कार्य करना चाहती हैं तो आप वैज्ञानिक अथवा न्यायधीश की सेवा कार्य प्रारंभ कर सकती हैं। आप निश्चय पूर्वक धनी होंगी। धन का सदुपयोग अपने परिवार के सहायता हेतु एवं मित्रों की सहायता हेतु करेंगी। आप जन सामान्य में यह प्रदर्शन नहीं करेंगी कि आप सामान्य विपरीत योनि के प्रति वासनात्मक प्रवृति रखती हैं। परंतु आप अपने पति के साथ गहन प्रेम संबंध बनाए रखेंगी। आप हर परिस्थिति में संभव मांग अर्थात् अपने पति एवं बच्चों की अभिलाषा पूरी करेंगी।

आपका पूर्ण सामंजस्य मिथुन राशि अथवा कुंभ राशि लग्न में उत्पन्न जातक के साथ हो सकता है। यदि आप अपनी पसंद के अनुरूप मकर राशि कर्क अथवा मीन राशीय जलीय तत्व के प्राणी के साथ मैत्री करना चाहें तो आप इनके साथ मित्रता करके अधिक प्रसन्न रह सकेंगी। आपका एक सामंजस्य पूर्ण परिवार होगा जिसमें सीमित संख्या में आपकी संताने होंगी जो आपके द्वारा अपने पैरों पर खड़े होंगे तथा आपकी वृद्धावस्था के लिए सहायक सिद्ध होंगे। आप संतान के संबंध में एक भाग्यशाली महिला होंगी जो अपने नाम और अपनी प्रसिद्धि कर आपको आनंदित करेंगे।

आप स्वास्थ्य और शारीरिक दृष्टि से उत्तम, सुंदर, मनोहर एवं प्रतिभा संपन्न होंगी। आपकी ओठ सदैव ही मुस्कुराहट से युक्त तथा चेहरा हंसमुख प्रतीत होगा। स्वास्थ्य तो बहुत उत्तम रहेगा परंतु कालांतर में मूत्र संबंधी परेशानी तथा मेरुदंडनीय अव्यवस्था उत्पन्न न हो जाए अस्तु आप को सावधानी बरतनी होंगी।

आप अति महत्वकांक्षी प्राणी हैं। आप अपने उदेश्य तक पहुंचने के लिए कठिन श्रम का संपादन करेंगी। आप अपने अच्छे शिष्टाचार एवं सुंदर व्यवहार प्रेमालिंगन के कारण शक्ति संपन्न एवं उच्चकोटि की प्राणी होंगी।

इस प्रकार का बदलाव आपके लिए लाभदायक तथा धन-संपति से युक्त संपन्नता व्यक्त करायेगा। आपक सौम्य स्वभाव दूसरों को एक संयमित धन प्रदान करायेगा। आपको यथा संभव बेईमान एवं चरित्रहीन तत्व के प्रति सतर्क रहना चाहिए जो तत्व आपको मूर्ख समझते हैं। आप इस प्रकार के परिष्कार करने वाली आदतों का त्याग करें जो कि नकारात्मक प्रवृति को उत्पन्न करती है। इस प्रकार के अनगिणत प्राणी आपसे अर्थिक सहयोग लेकर आपकी आर्थिक स्थिति को पंगु बना देंगे।

आपका परिवारिक एक अंग जो विदेशी अच्छे मित्र हैं। उनके द्वारा आपको महान उपलब्धि प्राप्त होगी। आपके लिए इन मित्रों के बिना आपका समय व्यतीत करना एक दुष्कर कार्य होगा। आप उनके लिए विश्वासी, शक्ति संपन्न एवं सम्मानित दृष्टिगत होंगी। आप वास्तव में मित्रों की मित्र हैं। आप उनकी सहायता हेतु किसी भी प्रकार का सीमोलंघन करेंगी।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन शनिवार तथा शुक्रवार है। परन्तु आपको रविवार, गुरूवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये चारों दिन आपके लिए अनुकूल नही है। बुधवार आप के लिए मध्य फलदायक है।

आपके लिए अंकों में अनुकूल अंक 1, 2, 5 और 7 अंक अति उत्तम फलदायी है। परंतु अंक 3, 5, 6 एवं 9 अंक सर्वथा त्याज्य है।

आपके लिए रंगों में उत्तम रंग नारंगी, लाल एवं सफेद रंग हैं। परंतु रंग पीला एवं हरे रंगों का त्याग करेंगे।